सत्र 2024 -2025 के लिए पाठ्यक्रम (कक्षा -IV)

विषय - हिंदी

<u>शिक्षकों के लिए सुझाव</u>

- खेल आधारित, गतिविधि आधारित व समूह आधारित शिक्षण विधियों का प्रयोग करें। गतिविधियों में विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों।
- भाषा शिक्षण के लिए कक्षा लाइब्रेरी, समाचार-पत्र, वीडियो और ऑडिओ रिकॉर्डिंग आदि का भी प्रयोग करें। बच्चों को सिर्फ़ किताबों तक ही सीमित ना रखा जाए।
- भाषा के चारों कौशलों (श्रवण कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल और लेखन कौशल) को बराबर महत्व दें। बच्चों को ऐसी गतिविधियाँ करवाई जाएँ जिनसे सभी कौशलों का विकास हो सके।
- जब आप कोई भी पाठ बच्चों को पढ़ा रहे हो तो उसके पाठ के लेखक और प्रयोग की गई साहित्य की विधा के बारे में भी बच्चों को ज़रूर बताएँ।
- व्याकरण भाषा शिक्षण का अभिन्न अंग है व्याकरण बच्चों को रटाया ना जाए। व्याकरण के व्यवहारिक स्वरूप पर अधिक बल दें व उसका सन्दर्भ में प्रयोग करना सिखाएँ।

सत्र 2024 -2025 के लिए पाठयक्रम

कक्षा -IV

विषय - हिंदी

क्रम संख्या	पाठ संख्या	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल	टिप्पणी (कौशल)- वाचन, श्रवण, पठन, लेखन	सुझावित गतिविधियाँ	संवर्धन कार्यपत्रिका
सत्र 1						
1	1	मन के भोले-भाले बादल	• पढ़ी, सुनी, देखी घटनाओं आदि के विषय में तथा समाचारों, कविताओं, कहानियों पर सवाल पूछ सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं, अपनी राय व प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। • विद्यार्थी धारा-प्रवाह से कविता पढ़ना सीखते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल - बादल विषय पर माइंड मैपिंग, विद्यार्थी वर्षा से जुड़े अपने अनुभव कक्षा में साझा करेंगे। पठन कौशल- विद्यार्थियों को पाठ से संबंधित कोई पद्यांश पढ़ने के लिए दीजिए और सरल प्रश्न-उत्तर पूछिए। लेखन कौशल- बादल को एक अनौपचारिक पत्र लिखिए, बादलों का चित्र देखकर उनका वर्णन। व्याकरण- संज्ञा, विशेषण आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	-विभिन्न प्रकार के बादलों के चित्र बनाना। -शब्दों को वर्णमाला के क्रमानुसार लिखना। -बादलों का चित्र बनाकर उनकी Emoji बनाना एवं उनकी संवेदनाओं पर बातचीत करना। -कविता को लय-ताल के साथ गाने बजाने के लिए प्रेरित करना।	संगम कार्यपुस्तिका की कार्यपत्रिका क्र. 1, 4 एवं 9
2	12	सुनीता की पहिया कुर्सी	• पढ़ने की विविध युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे- प्रिन्ट और चित्रों की मदद से अनुमान लगाना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभव व	वाचन व श्रवण कौशल - पल्स पोलियो अभियान पर चर्चा, बाज़ार का चित्र वर्णन। पठन कौशल- बच्चों को जोड़े/समूह में पाठ को पढ़ने और उसपर बातचीत करने का अवसर दें। लेखन कौशल- अनौपचारिक पत्र (सुनीता के बारे में पढ़कर तुम्हारे मन में जो सवाल आ रहे होंगे तो वो	-सुनीता की कहानी बताते हुए मित्र को पत्र। -पिकनिक का चित्र वर्णन। -अपठित गद्यांश पढ़ने के लिए दीजिए और सरल प्रश्न-उत्तर पूछिए	

			जानकारी का प्रयोग करते हुए अनुमान लगाना। • संवेदनशीलता का विकास होना।	बातें सुनीता को चिट्ठी लिखकर बताइए)। व्याकरण- विराम चिन्ह, सर्वनाम आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	
3	5	दोस्त की पोशाक	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग कर सकते हैं। • विशेषता वाले शब्द पहचान सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल - एक विद्यार्थी मुहावरे पर मूक अभिनय करेगा और बाक़ी विद्यार्थी अनुमान लगाकर मुहावरे बताएँगे। पठन कौशल- कहानी को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना। लेखन कौशल- प्रश्न बनाना, मनपसंद पोशाक का चित्र बना कर पाँच वाक्य, कहानी लेखन। अनौपचारिक पत्र (नसीरुद्दीन और जमाल साहब के बीच) व्याकरण- मुहावरे और नुक्ते वाले शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	-विभिन्न प्रकार के कपड़ों के नमूने चिपकाना। -मुहावरों का अभिनय। -मनपसंद पोशाक का चित्र बनाकर रंग भरना। -विद्यार्थियों को कोई अपठित गद्यांश पढ़ने के लिए देना और सरल प्रश्न-उत्तर पूछना।
4	9	स्वतंत्रता की ओर	• अलग-अलग रचनाओं में आए नए शब्दों का अर्थ ग्रहण कर सकते हैं और उनसे नए वाक्य बना सकते हैं। • देश के प्रति अपना प्रेम व्यक्त कर सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल - रोल प्ले, स्वतंत्रता सेनानी और उनके बारे में पाँच वाक्य बनाइए, पृष्ठ 78, 79 पर गाँधी जी के चित्रों पर कक्षा में चर्चा। पठन कौशल- विद्यार्थियों को किसी स्वतंत्रता सेनानी से सम्बंधित अपठित गद्यांश पढ़ने के लिए दीजिए और उसपर बातचीत कीजिए (कक्षा लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों की मदद लीजिए) लेखन कौशल- चरखे का चित्र बनाकर उसके बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखना, महात्मा गाँधी/ जवाहर लाल	-अनुपयोगी वस्तु से किसी नई वस्तु का निर्माण। -महात्मा गाँधी विषय पर अनुच्छेद। -स्वतंत्रता सेनानी से सम्बंधित अपठित गद्यांश पढ़ने के लिए दीजिए और सरल प्रश्न पूछिए

				नेहरू/ सुभाष चंद्र बोस/लाल बहादुर शास्त्री पर अनुच्छेद, नमक विषय पर माइंड मैपिंग। व्याकरण- अनुस्वार और अनुनासिक शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।		
5	3	किरमिच की गेंद	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग कर सकते हैं। • संबंधों की गहराई को समझ सकते हैं।	वाचनव श्रवण कौशल - "जब मेरी गेंद खो गई" इस बारे में अनुभव बच्चे कक्षा के साथ साझा करेगें। पठन कौशल- विद्यार्थियों को अपठित गद्यांश पढ़ने के लिए दिए जाए और उस पर बातचीत की जाए। (कक्षा लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों की मदद लीजिए) लेखन कौशल- अपने किसी खिलौने के बारे में बताते हुए पाँच वाक्य लिखना, पौधों व बेलों पर लगने वाली सब्ज़ियों की सूची बनाना। व्याकरण- वाक्यांशों के लिए एक शब्द, पर्यायवाची शब्द (संख्या संबंधी) आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	-पौधों व बेलो पर लगने वाली सब्जियों की सूची बनाइए। -कहानी को नया शीर्षक दीजिए। -मनपसंद खेल का चित्र बनाकर कुछ वाक्य लिखना। -अपठित गद्यांश/ नई कहानी पढ़ने के लिए दिए जाए और उस पर आधारित सरल प्रश्न पूछे जाएँ।	

-नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

सत्र 2						
6	10	थप्प रोटी थप्प दाल	• भाषा की बारीकियाँ जैसे विराम-चिह्न, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन आदि का प्रयोग कर सकते हैं। • अभिनय द्वारा अपने मन के भावों को व्यक्त कर सकते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल -</u> पाठ का अभिनय करना (role play), रसोई में प्रयोग करने वाले उपकरणों जैसे - मथनी , रई , बिलोनीं पर चर्चा, पसंदीदा व्यंजन के बारे में बताना। <u>पठन कौशल-</u> विद्यार्थियों को कक्षा लाइब्रेरी में से कोई नाटक पढ़ने के लिए दिया जाए और उस पर आधारित सरल प्रश्न पूछे जाए। <u>लेखन कौशल-</u> आवाज़ वाले शब्द लिखना, बच्चों द्वारा खेले जाने वाले खेलों की सूची बनाना, दी गई कविता को पूरा करना। <u>व्याकरण-</u> द्वित्व व्यंजन, क्रिया, सर्वनाम आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	-बिना आग के कहना पकाना जैसे - चाट, सैंडविच आदि । -बिल्ली का मुखौटा बनाना। -आसपास के जानवरों के पसंदीदा भोजन कि सूची बनाना। -रसोई घर से सम्बंधित मुक्त खेल (Free Play Time) खेलने का अवसर दें।	संगम कार्यपुस्तिका की कार्यपत्रिका क्र. 10, 11 एवं 17
7	11	पढ़क्कू की सूझ	• अलग-अलग रचनाओं में आए नए शब्दों का अर्थ ग्रहण कर सकते हैं और उनसे नए वाक्य बना सकते हैं। • जिज्ञासा का विकास कर सकते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल -</u> कविता को लय ताल के साथ गाने और बजाने के लिए बच्चों को प्रेरित करें, “घंटी” पर माइंड मैपिंग। <u>पठन कौशल-</u> विद्यार्थियों को कक्षा लाइब्रेरी में से किसी भी नाटक की किताब पढ़ने को दी जाए और अभिनय करवाया जाए। <u>लेखन कौशल-</u> विद्यार्थियों को 5-6 शब्दों दें और उनसे कविता/कहानी का निर्माण करने के लिए प्रेरित कीजिए। <u>व्याकरण-</u> क्रिया, मुहावरे, तुकांत शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	-कविता पूरी करना। -घंटी का चित्र बनाकर उसमें रंग भरना। -वर्ग पहेली में से नाम वाले शब्द खोजना। -अपठित गद्यांश/ नई कहानी पढ़ने के लिए दिए जाए और उस पर आधारित सरल प्रश्न पूछे जाएँ।	

8	4	पापा जब बच्चे थे	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग कर सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल — "आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हो" कक्षा को बताएँ, पृष्ठ संख्या 32 पर दी गई कविता "उलझन" पढ़ें, विद्यार्थी अपनी खूबियों के बारे में कक्षा को बताएँगे, पाठ में बताए गए कर्मचारियों की सूची बनाएँ। पठन कौशल- पाठ में से गद्यांश लीजिए और उसपर आधारित प्रश्न पूछिए। लेखन कौशल- अनुच्छेद लेखन -'आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हो', रिश्तों के नाम (पारिवारिक संबंधों के बारे में जानकारी) व्याकरण- सर्वनाम, वाक्यांशों के लिए एक शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	-बच्चों से उनके पसंदीदा व्यवसायों के बारे में बातचीत की जाए। -व्यवसायों के आधार पर बच्चों को अभिनय करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।	
9	14	मुफ़्त ही मुफ़्त	• भाषा की बारीकियाँ जैसे विराम-चिह्न, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन आदि का प्रयोग कर सकते हैं। • अपने निजी अनुभवों को जोड़ते हुए अपने विचारों को मौखिक तथा लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल -'यदि भीखू भाई को आम खाने की इच्छा होती' विषय पर चर्चा कीजिए। पठन कौशल- कक्षा लाइब्रेरी से किसी राज्य की लोक कथा बच्चों को पढ़ने के लिए दीजिए, विद्यार्थी इस कहानी को अपने शब्दों में लिखेंगे। लेखन कौशल-अनुच्छेद लेखन - 'मेरा मित्र', भीखू भाई के बारे में अपने शब्दों में लिखिए, भीखू भाई और नारियल वाले के बीच की बातचीत को अपने शब्दों में लिखिए (पेज 123) व्याकरण- लिंग बदलो, सर्वनाम।	-विभिन्न राज्यों के निवासी व उनकी वेश-भूषा पर बातचीत की जा सकती है। -अपठित गद्यांश/ नई कहानी पढ़ने के लिए दिए जाए और उस पर आधारित सरल प्रश्न पूछे जाएँ। -राज्यों की बोलियों के कुछ शब्दों के विषय में बातचीत की जा सकती है	

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।